प्राचार्य संदेश...

प्रो. एस. वी. शर्मा, प्राचार्य

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान, विकास और विस्तार से संबंधित शैक्षिक गतिविधियों को साझा करने हेतु अपना ई–समाचार पत्र ला रहा है। जिसका मुख्य उद्देश्य है विद्यालयी शिक्षा के साथ–साथ शिक्षक शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में उत्तरी भारत के राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के प्रमुख संसाधन व्यक्तियों की शिक्षा संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना। राष्ट्रीय शैक्षिक सम्मेलनों, संगोष्ठियों और शोध पत्रिकाओं में पेपर प्रस्तुतियों के रूप में संस्थान के संकाय सदस्यों के व्यक्तिगत शैक्षणिक योगदान को भी इस ई–समाचार पत्र में शामिल किया गया है। प्रायोगिक विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों सहित यह पत्र संस्थान का समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। मैं संस्थान के ई–समाचार पत्र/पत्रिका संपादन समिति को प्रकाशित करने हेतु हार्दिक बधाई देता हूँ। छात्रों, शिक्षकों और अन्य शिक्षाविदों को उनकी शैक्षणिक गतिविधियों और सीखने के अनुभवों को साझा करने के लिए यह पत्र एक मंच प्रदान करने में सहायक होगा ऐसा मेरा विश्वास है।

संस्थान समाचार

संस्थान के पूर्व प्राथमिक विभाग, सरस्वती छात्रावास और अंबेडकर अतिथि गृह का अनावरण

माननीय निदेशक, एनसीईआरटी प्रोफेसर दिनेश प्रसाद सकलानी ने 16–17 अप्रैल, 2023 के दौरान संस्थान का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान के नवनिर्मित सरस्वती छात्रावास, अंबेडकर अतिथि–गृह, पूर्व प्राथमिक विभाग, नवाचार केंद्र, गणित एवं भाषा प्रयोगशाला का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों से संवाद भी किया। निदेशक महोदय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने हेतु संस्थान को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के विद्यार्थी क्लब 'विज्ञान, गणित और पर्यावरण क्लब' और भूज्ञान सोसायटी का लोगो व गतिविधि रिपोर्ट जारी कर प्रोत्साहित किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के साथ श्रमदान और पौधारोपण किया। उन्होंने संस्थान नैक पीयर टीम के निरीक्षण की तैयारियों का जायजा भी लिया।

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी, निदेशक, एनसीईआरटी विद्यार्थी क्लब का लोगो व गतिविधि रिपोर्ट जारी कर प्रोत्साहित करते हुए

संस्थान को NAAC द्वारा ग्रेड A+ प्रत्यायन

संस्थान ने 21 मार्च, 2024 को अपने दूसरे चरण मे NAAC से ग्रेड A+ मान्यता प्राप्त की। NAAC सहकर्मी टीम ने 08 व 09 अगस्त, 2023 को अपने दौरे मे संस्थान के संचालन का बारीकी से निरीक्षण किया । टीम ने संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, छात्रों, पूर्व छात्रों और अभिभावकों के साथ भी बातचीत की। संस्थान को A+ प्रत्यायन इसकी निरंतर उत्कृष्टता को दर्शाती है। संस्थान ने अपने पहले चक्र में भी A+ ग्रेड प्राप्त किया था।

NAAC सहकर्मी टीम का संस्थान का दौरा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम और प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा का कार्यान्वयन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के अनुसार, संस्थान ने नये पाठ्यक्रम शुरू किये है। संस्थान ने वर्ष 2023–24 मे चार वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) के अंतर्गत बीएससी बीएड (माध्यमिक चरण) की 02 इकाइयों और बीए बीएड (माध्यमिक चरण) की 01 इकाई में प्रवेश दिया है। संस्थान देश के उन 42 प्रतिष्ठित केंद्रीय/राज्य सरकार के विश्वविद्यालयों/संस्थानों में शामिल है, जिन्हें सत्र 2023–24 में आईटीईपी चलाने की अनुमति दी गई है। साथ ही संस्थान के बहुउद्देश्यीय प्रायोगिक विद्यालय, अजमेर ने पूर्व प्राथमिक विभाग में स्तर 1, 2 और 3 में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा कार्यक्रम का कार्यान्वयन किया है। इसके अंतर्गत कार्यान्वयन रणनीति के रूप में संस्थान ने विकासात्मक परियोजना "मुस्कुराता बचपनः एक प्रारंभिक बचपन कार्यक्रम" को आगे बढ़ाकर अग्रणी भूमिका निभाई है।

प्रकृति के साथ सतत् और सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए पर्यावरण शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

संस्थान में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी और कार्यशाला "प्रकृति के साथ सतत और सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए पर्यावरण शिक्षा" विषय पर, 4–6 अक्टूबर, 2023 को सम्पन्न किया गया । इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में 14 निर्धारित विषयों पर कुल 300 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। इसके लिए प्राप्त 114 शोध पत्रों को 23–25 अगस्त, 2023 तक आयोजित समीक्षा कार्यशाला के दौरान अंतिम रूप दिया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में मैती आंदोलन के जनक पद्मश्री श्री कल्याण सिंह रावत तथा मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. एम.के. पंडित, पूर्व अध्यक्ष, भूविज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर उपस्थित रहे। संगोष्ठी के दौरान तीन मुख्य व्याख्यान सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रो. एम.के. पंडित, डॉ. राजेंद्र सिंह (रेमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता और भारत के जलपुरुष) तथा प्रो. गिरीश्वर मिश्रा (पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा) जैसे प्रतिष्ठित वक्ता शामिल थे।

मुख्य अतिथि पद्मश्री श्री कल्याण सिंह रावत, विशिष्ट अतिथि प्रो. एम.के. पंडित एवं संस्थान के प्राचार्य प्रो. एस.वी. शर्मा द्वारा स्मारिका का विमोचन

राष्ट्रीय संगोष्ठी में पर्यावरण संबंधी चिंताओं पर केंद्रित विभिन्न मुख्य सत्र भी आयोजित किए गए। मुख्य वक्ताओं में डॉ. अमित कुमार जायसवाल (श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय, गोपेश्वर), प्रो. प्रवीण माथुर (पूर्व प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान, एमडीएस विश्वविद्यालय, अजमेर), डॉ. एमएम रंगा (प्रोफेसर एमेरिटस, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, अंबिकापुर), श्री अशोक कुमार गुप्ता (राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और "ट्रीमैन"), सुश्री अलका तोमर (पर्यावरण शिक्षा केंद्र और अध्यक्ष, सेंटर फॉर यूथ, नई दिल्ली), प्रो. आरके पाराशर (एनसीईआरटी, नई दिल्ली), श्री वीरेंद्र रावत (ग्लोबल ग्रीन स्कूल), प्रो. सुब्रतो दत्ता (पर्यावरण विज्ञान विभाग, एमडीएस विश्वविद्यालय, अजमेर), प्रो. आलोक चतुर्वेदी (एसपीसी गवर्नमेंट कॉलेज, अजमेर) और प्रो. केके शर्मा (पूर्व कुलपति, एमडीएस विश्वविद्यालय, अजमेर) शामिल थे। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर पीसी त्रिवेदी (पूर्व कुलपति, जेएनवी विश्वविद्यालय, जोधपुर) थे, व प्रोफेसर गिरीश्वर मिश्रा (पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा) और प्रोफेसर केके शर्मा (पूर्व कुलपति, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर) विशिष्ट अतिथि थे। संगोष्ठी के दौरान, 14 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिसमे जम्मू और कश्मीर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, तेलंगाना, गोवा, केरल, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, दिल्ली और पंजाब सहित भारत भर के विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों द्वारा कुल 77 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। प्रतिभागियों के पर्यावरण शिक्षा पर विचार और सुझावों को संकलित किया गया। संगोष्ठी के दौरान प्रस्तुत शोधपत्रों को समीक्षा कर संस्थान की पत्रिका एजुकेशनल ट्रेंड्स में प्रकाशित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ओम प्रकाश मीना, सह–आचार्य, रसायन विज्ञान थे।

समतामूलक एवं समावेशी शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

संस्थान में 9–11 जनवरी, 2024 को "समतामूलक एवं समावेशी शिक्षा" पर 3 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य शिक्षकों, शिक्षक प्रशिक्षकों, शोधकर्ताओं, प्रशासकों और नीति निर्माताओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में समतामूलक एवं समावेशी शिक्षा में अपने शोध एवं विकास को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करना था। राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान विभिन्न विषयों और उप–विषयों से संबंधित शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। संगोष्ठी में लगभग 100 पेशेवरों ने भाग लिया, जिनमें शिक्षक, शिक्षक प्रशिक्षक, विभिन्न शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, गैर सरकारी संगठनों के संकाय सदस्य और क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर के एम.एड. कोर्स के छात्र–छात्राएं शामिल थे। शोध–पत्र प्रस्तुतियों के अलावा, समावेशी शिक्षा में कार्यरत प्रतिष्ठित सदस्यों द्वारा 3 पूर्ण व्याख्यान और 10 मुख्य भाषण भी दिए गए। समावेशी शिक्षा क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व जैसे कि डॉ. एसआर मित्तल, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) जामिया मिलिया इस्लामिया, डॉ. अनुपम आहूजा, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), डीईजीएसएन, एनसीईआरटी, डॉ. एससी चौहान, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), डीईजीएसएन, एनसीईआरटी, ब्रह्माकुमारी शांता दीदी, ब्रह्माकुमारीज अजमेर और प्रोफेसर एसवी शर्मा, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर ने राष्ट्रीय संगोष्ठी के विभिन्न महत्वपूर्ण अवसरों पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। संगोष्ठी के दौरान प्रस्तुत शोधपत्रों को समीक्षा प्रक्रिया के बाद संस्थान की पत्रिका एजुकेशनल ट्रेंड्स में प्रकाशित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. राजीव रंजन, सहायक आचार्य, शिक्षा विभाग थे।

मुख्य अतिथि प्रो. एस.आर. मित्तल, विशिष्ट अतिथि ब्रह्मकुमारी शांता दीदी और संस्थान के प्राचार्य प्रो. एस.वी. शर्मा द्वारा स्मारिका का विमोचन

फाउंडेशनल स्तर पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

उन्मुखीकरण कार्यक्रम के प्रतिभागी

संस्थान ने 30–31 मई, 2023 के दौरान प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी के सहयोग से फाउंडेशनल स्तर पर मास्टर ट्रेनर्स के लिए 2 दिवसीय ओरिएंटेशन–सह–प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में कुल 43 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमे हिमाचल प्रदेश (4), नई दिल्ली (5), पंजाब (4), चंडीगढ़ (4), जम्मू और कश्मीर (6), राजस्थान (5), हरियाणा (5), उत्तराखंड (4), और उत्तर प्रदेश (5) के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के स्थानीय समन्वयक डॉ. राजीव रंजन, सहायक आचार्य, शिक्षा विभाग थे।

विद्यालय मूल्यांकन एवं परीक्षा पद्धति, तथा उत्तरी क्षेत्र के विभिन्न बोर्ड की समतुल्यता पर क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन

क्षेत्रीय कार्यशाला के प्रतिभागी

संस्थान में 10–13 जुलाई, 2023 के दौरान परख, एनसीईआरटी के सहयोग से विद्यालय मूल्यांकन एवं परीक्षा पद्धति, तथा उत्तरी क्षेत्र के विभिन्न बोर्ड की समतुल्यता पर क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में हरियाणा (3), हिमाचल प्रदेश (3), जम्मू और कश्मीर (3), पंजाब (5), उत्तर प्रदेश (3), उत्तराखंड (3) और राजस्थान (3) राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से कुल 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के स्थानीय समन्वयक डॉ. आनंद आर्य, अध्यक्ष, विस्तार शिक्षा विभाग थे।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रमुख संसाधन व्यक्तियों, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर के संकाय सदस्यों व प्रायोगिक बहुउद्देशीय विद्यालय के शिक्षकों का शैक्षिक किट पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम

उन्मुखीकरण कार्यक्रम के प्रतिभागी

शैक्षिक किट प्रभाग, एनसीईआरटी नई दिल्ली के सहयोग से, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रमुख संसाधन व्यक्तियों के साथ–साथ क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर के संकाय सदस्यों व प्रायोगिक बहुउद्देशीय विद्यालय के शिक्षकों के लिए शैक्षिक किट पर 5 दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के संकाय सदस्यों और प्रायोगिक बहुउद्देशीय विद्यालय के शिक्षकों सहित उत्तरी क्षेत्र से कुल 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों में चंडीगढ़ से 3, दिल्ली से 3, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू–कश्मीर से 2, पंजाब से 3 और राजस्थान से और उत्तर प्रदेश से 1 तथा उत्तराखंड से 2 प्रतिभागी शामिल थे। संस्थान की ओर से इस उन्मुखीकरण कार्यक्रम के स्थानीय समन्वयक डॉ. आनंद आर्य, अध्यक्ष, विस्तार शिक्षा विभाग थे।

मनोदर्पण और सहयोगः मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यक्रम

शैक्षिक हितधारकों के मानसिक कल्याण हेतु संस्थान द्वारा चार सप्ताह के अंतराल में 5 दिवसीय 'मनोदर्पण सहयोग' कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सीआईईटी, एनसीईआरटी द्वारा सायं 05:00 बजे से 05:30 बजे के दौरान प्रधानमंत्री ई–विद्या एवं एनसीईआरटी आधिकारिक यू ट्यूब चैनल पर होता है। इसमें संस्थान के संकाय सदस्य और विशेषज्ञों द्वारा विषयगत सत्र प्रसारित किए जाते हैं। कार्यक्रम के दौरान मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों जैसे परीक्षा में तनाव, नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवसाद/चिंता आदि पर विभिन्न सत्र आयोजित किए जाते हैं। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. अमृता कात्यायनी, सह आचार्या द्वारा किया जाता है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान गतिविधियाँ

15 अगस्त, 2023 को क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान परिसर में क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान और डीएमएस, अजमेर के छात्रों और कर्मचारियों द्वारा पूरे जोश और उत्साह के साथ राष्ट्र का 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। संस्थान के प्राचार्य प्रो. एस.वी. शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर संस्थान और प्रायोगिक बहुउद्देशीय विद्यालय के छात्र– छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए और उसके बाद परिसर में पौधारोपण अभियान संपन्न किया गया।

एजुकेशनल ट्रेंड का प्रकाशन

संस्थान, शिक्षा के क्षेत्र में हुए शोधों के प्रसार, साझा और दस्तावेजीकरण के लिए अपनी शोध पत्रिका 'एजुकेशनल ट्रेंड (आरआईई अजमेर का एक जर्नल) शीघ्र ही प्रकाशित कर रहा है। यह पत्रिका (जर्नल) शोधकर्ताओं और शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान कार्य में भाग लेने वाले शोधार्थियों के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस जर्नल के प्रकाशन के लिए दो विशेष मुद्दों को सम्पादित और अंतिम रूप दिया गया है। इसकी ऑनलाइन उपलब्धता के लिए यूआरएल तैयार किया जा रहा है। शोध पत्रों के प्रकाशन के लिए, पांडुलिपि 'एडिटर, एजुकेशनल ट्रेंड (ए जर्नल ऑफ क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एनसीईआरटी, अजमेर) को भेजी जानी होगी। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. बीके झा, उप पुस्तकालयाध्यक्ष, हैं।

गणतंत्र दिवस समारोह

संस्थान ने 26 जनवरी, 2024 को भारत का 75वाँ गणतंत्र दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस समारोह में संस्थान व प्रायोगिक बहुउद्देश्यीय विद्यालय के छात्र–छात्राएँ, कर्मचारीगण और उनके परिवारजन शामिल हुए। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य प्रो. एस. वी. शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उपस्थित लोगों को संबोधित किया। इस शुभ अवसर पर हरियाली और सुरक्षित पर्यावरण का संदेश देते हुए पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान गतिविधियाँ

विस्तार समाचार

अनुसंधान प्रोजेक्ट

उत्तरी क्षेत्र के आकांक्षी जिले में समग्र शिक्षा के लिए NAS-2021 हस्तक्षेप के कार्यान्वयन के लिए एक अध्ययन

वर्तमान शोध अध्ययन का उद्देश्य समग्र शिक्षा को बढ़ाने हेतु NAS 2021 पर आधारित सार्थक हस्तक्षेप विकसित करना है। इस प्रोजेक्ट में उत्तरी क्षेत्र के आकांक्षी जिलों में NAS 2021 पर आधारित हस्तक्षेपों को लागू करने व उनकी प्रभावशीलता पर केंद्रित है। अध्ययन दो चरणों में संरचित है: चरण I (वर्ष 2023–24) में NAS 2021 आकांक्षी जिला रिपोर्ट कार्ड के आधार पर आवश्यकता–आधारित हस्तक्षेपों की पहचान करना शामिल है, जबकि चरण II (वर्ष 2024–25) समग्र शिक्षा प्रगति पर इन हस्तक्षेपों के विकास और प्रभावशीलता का आकलन करना है। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 7 जनवरी, 2023 को आकांशी ब्लॉक योजना को ध्यान में रखते हुए, उत्तरी क्षेत्र के छह आकांक्षी जिलों के छह आकांक्षी ब्लॉकों का चयन किया गया। इनमें हरियाणा के नूंह जिले के नूंह और पुन्हाना ब्लॉक, हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के तिस्सा ब्लॉक, उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के बहादराबाद ब्लॉक, पंजाब के फिरोजपुर जिले के मक्खू ब्लॉक, राजस्थान के सिरोही जिले के आबू रोड ब्लॉक और उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के चहनिया ब्लॉक शामिल हैं। अध्ययन में स्कूली शिक्षा के प्रारंभिक चरण में छात्रों और शिक्षकों को शामिल किया गया है, जिसमें प्रत्येक ब्लॉक से 10 स्कूलों का चयन किया गया है। अध्ययन के उद्देश्यों के अनुसार, एक शोध ढांचा विकसित किया गया है। वर्ष 2023–24 में, सीखने की क्षमताओं की जांच करने, विशिष्ट क्षेत्रों में कम प्रदर्शन के संभावित कारणों की पहचान करने, और समग्र विकास में सुधार के लिए शिक्षकों, शिक्षक–शिक्षकों और अभिभावकों की जरूरतों को निर्धारित करने के लिए एनएएस 2021 आकांक्षी जिला रिपोर्ट कार्ड का विश्लेषण किया गया। अध्ययन में कक्षाओं में योग्यता–आधारित समग्र शिक्षण वातावरण बनाने के लिए आवश्यक परिस्थितियों का भी आकलन किया गया, जिसमें संसाधनों की उपलब्धता, सीखने–सिखाने के माहौल और अपनाई गई शैक्षणिक प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। वर्ष 2024–25 में, चरण I में पहचाने गए आवश्यकता–आधारित एनएएस 2021 हस्तक्षेपों को लागू किया जाएगा, और समग्र शिक्षण प्रगति पर उनकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के अन्वेषक डॉ. आनंद आर्य, सह–आचार्य, रसायन विज्ञान हैं।

माध्यमिक स्तर पर विज्ञान में अनुभवात्मक शिक्षण सक्षम करने वाली स्थितियों और शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया हस्तक्षेपों का अध्ययन

विज्ञान शिक्षा के लिए अनुभवात्मक शिक्षण सक्षम स्थितियों पर शोध अध्ययन अजमेर जिले के श्रीनगर शैक्षिक खंड के 42 विद्यालयों में किया जा रहा है। पहले चरण (2023–24) में, नमूना विद्यालयों में मौजूदा अनुभवात्मक शिक्षण स्थितियों और शिक्षण प्रक्रियाओं पर प्रदत्त एकीकरण और उनका विश्लेषण किया गया था। दूसरे चरण (वर्ष 2024–25) में अनुभवात्मक शिक्षण स्थितियों और शिक्षण विधियों को बढ़ाने के लिए पहले चरण के निष्कर्षों के आधार पर हस्तक्षेप किए जाएंगे। जिला शिक्षा अधिकारियों के परामर्श से स्कूलों का चयन करते हुए उद्देश्यपूर्ण न्यादर्श चयन विधि का उपयोग किया गया। 21–25 अगस्त, 2023 को आयोजित एक कार्यशाला में विकसित प्रश्नावली का उपयोग करके अनुभवात्मक शिक्षण स्थितियों और शिक्षण प्रक्रियाओं पर प्रदत्त एकत्र किया गया। प्रश्नावली का राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजगढ़ (अजमेर) में परीक्षण किया गया था, और बाद में प्रधानाचार्यों और विज्ञान शिक्षकों के साथ साक्षात्कार और छात्रों के साथ बातचीत और कक्षा अवलोकन के द्वारा सूचना एकत्र करने हेतु उपयोग में लाया गया। इस अध्ययन के अन्वेषक डॉ. आर. के. शर्मा, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान हैं।

प्रशिक्षण

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान उत्तरी क्षेत्र के 10 राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करता है। राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुसार, संस्थान चिह्नित विषयों पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करता है। वर्ष 2022–23 के लिए अनुभवात्मक शिक्षा, आईसीटी–एकीकृत शिक्षाशास्त्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अनुसंधान पद्धति और पुस्तकालय सेवाओं के आधुनिकीकरण पर विभिन्न हितधारकों के लिए छह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजित किए गए। प्रशिक्षित व्यक्तियों का उपयोग संबंधित राज्यों द्वारा राज्य संसाधन समूह या मास्टर प्रशिक्षकों के रूप में किया जाएगा। आयोजित कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	स्थान	समन्वयक का नाम
1.	Capacity Building programme for the SRGs on Research Methodology to bring research into schools (October 30 to November 3, 2023)	उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली	डॉ. मुजम्मिल हसन
2.	Capacity building of KRPs on modernising the library Services (November 6 - 10, 2023)	लद्दाख, राजस्थान	डॉ. बीके झा
3.	Capacity Building Programme for SRGs on Experiential Learning in Science at Secondary stage in the Context of NEP 2020 (December 18-22, 2023)	उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़	डॉ. आर. के. शर्मा
4.	Capacity Building programme on attainment of Learning Outcomes through ICT integrated pedagogy at Secondary stage (December 11-15, 2023)	उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा	डॉ. ए.के. नैनावत
5.	Capacity building programme for SRGs on Artificial Intelligence (January 15-19, 2024)	उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, जम्मू और कश्मीर	डॉ. वी.पी. आर्य
6.	Capacity Building of SRGs on Experiential Learning Strategies in Social Sciences & Language at Secondary Level (March 11 - 15, 2024)	राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर	डॉ. अल्बर्ट होरो

शैक्षणिक मंच व्याख्यान श्रृंखला

संस्थान के अकादमिक मंच के तहत, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ ने संकाय और विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान आयोजित किए। वर्ष 2023–24 के लिए विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पहलू और इसका कार्यान्वयन रहा। शैक्षणिक मंच का आयोजन संस्थान के संकाय सदस्यों के मध्य शैक्षणिक शिक्षण–वातावरण और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। आयोजित किए गए कुछ प्रमुख व्याख्यान इस प्रकार है:

दिनांक	विषय	प्रस्तुतकर्ता का नाम
17 अप्रैल 2024	NCF SE-2023: An overview	प्रो एसवी शर्मा
29 अप्रैल 2024	NCF FS: AN overview	डॉ. दिबेन्दु बेज
	NCF FS: Pedagogy	डॉ. शेष कुमार शर्मा डॉ– पूजा पंत
	NCF FS: Choosing, Organizing and Contextualizing content for Teaching	डॉ. यासमीन अशरफ डॉ– चिदानंद बादीगर
	NCF SE: Approach	डॉ. अमृता कात्यायनी डॉ– ए– एस नायक
	NCF SE: Cross cutting themes	डॉ. आरती शर्मा
	NCF SE: School subjects	डॉ. के श्रीदेवी डॉ संदीप कौशल
	NCF SE: School culture and process	डॉ. बिदिशा हाजरा डॉ– अर्खिता बेहरा
	NCF SE: Creative and supportive environment	डॉ. एलिजाबेथ गैंगमेई डॉ– एसके दास
08 मई, 2024	Total quality management in school education	प्रो. एसवी शर्मा
	Art of writing research papers leading to research culture	प्रो. पीके चौरसिया
	Assessment in the light of NEP-2020 and NCF	प्रो. के. चंद्रशेखर
	Progress of mentor mentee activities	प्रो. बी. बरठाकुर
15 मई, 2024	Technology use and integration in teacher education programme the light of NEP-2020	प्रो. आरबी पारीक
	Reforms in teacher education programme in the light of NEP-2020	प्रो. ए. गोस्वामी
	Concept of library and its uses in the light of NEP-2020	डॉ. बीके झा
22 मई, 2024	Experiential learning in the light of NEP-2020	प्रो पी. सी. आचार्य
	Holistic and multidisciplinary teacher education programme in the light of NEP-2020	डॉ. आनंद आर्य
	Continuous professional development in the light of NEP-2020	डॉ. मीनाक्षी मीना

29 मई, 2024	Equitable and inclusive education in the light of NEP-2020	डॉ. राणा प्रताप
	Equity and inclusion in teacher education in the light of NEP-2020	डॉ. राजीव रंजन
	Online and digital education: Ensuring equitable use of technology in the light of NEP-2020	डॉ. ए. के. नैनावत
05 जून, 2024	Promotion in arts and culture in the light of NEP-2020	प्रो. राजेश मिश्रा
	Re-imaging vocational education in the light of NEP-2020	डॉ. ओपी मीना
	Standard setting and accreditation for school education in the light of NEP-2020	डॉ. पतंजलि शर्मा
06 जून, 2024	Promotion in Indian languages in the light of NEP-2020	डॉ. राम निवास
	Affordable and quality education for all in the light of NEP-2020	डॉ. वी.पी. आर्य
	Effective governance and leadership for teacher education in the light of NEP-2020	डॉ. आर.के. शर्मा
19 जून, 2024	A new and forward-looking vision for India's Teacher Education system in the light of NEP 2020	डॉ. अल्बर्ट होरो
	Adult education and life-long learning in the light of NEP 2020.	डॉ. जी. त्रिमूर्ति
	The Indian Knowledge System in the light of NEP 2020	डॉ. गणेश दत्त

प्रख्यात शिक्षाविदों के विस्तार व्याख्यान

प्रख्यात शिक्षाविदों के विस्तार व्याख्यानों की श्रृंखला संस्थान के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को अकादमिक बातचीत के लिए एक मंच प्रदान करती है। इस कार्यक्रम में प्रख्यात शिक्षाविदों को समसामयिक प्रमुख मुद्दों पर व्याख्यान देने और ज्ञान साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। कार्यक्रम का उद्देश्य अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। साथ ही नवीन सोच और अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है। वर्ष 2023–24 के लिए, विस्तार व्याख्यान का विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुप्रयोग पहलुओं पर रहा। इस सत्र में प्रख्यात शिक्षाविद् द्वारा विभिन्न विषयों पर कुल 5 विस्तार व्याख्यान दिए गए। जो इस प्रकार हैं –

- डॉ. पवन सुधीर, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, कला एवं सौंदर्य विभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली (सितंबर 01, 2023)
- डॉ. नागेन्द्र सिंह, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) एवं पूर्व डीन (अनुसंधान), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर (अक्टूबर 30, 2023)
- डॉ. राम गोपाल प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज (नवंबर 02, 2023)
- डॉ. एच.के. सेनापति, पूर्व निदेशक, एनसीईआरटी, नई दिल्ली एवं प्रोफेसर, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भुवनेश्वर (मार्च 07, 2023)
- डॉ. नित्यानंद प्रधान, पूर्व प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल एवं प्रोफेसर, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भुवनेश्वर (मार्च 07, 2023)

इस व्याख्यान श्रृँखला के समन्वयक डॉ. आनंद आर्य, अध्यक्ष, विस्तार शिक्षा विभाग हैं।

संस्थान संकाय सदस्यों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की तीसरी वर्षगॉठ पर कार्यक्रम

कार्यक्रम के दौरान गतिविधियाँ

संस्थान ने 27–28 जुलाई, 2023 को IQAC के अन्तर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्यों और प्रायोगिक बहुउद्देशीय विद्यालय के शिक्षकों के लिए एक प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किया। प्रेरक कार्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न पहलों पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए, जैसे – जादुई पिटारा, विद्या प्रवेश, विद्यांजलि, निपुण भारतः बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता, पंच कोश, परख, भारतीय ज्ञान परम्परा, नव भारत साक्षरता कार्यक्रम।

विकास एवं अन्य गतिविधियाँ

संस्थागत संसाधन (इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी)

इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी संस्थान की एक बौद्धिक उत्पादन की डिजिटल प्रतियों को संरक्षित और प्रसारित करने के लिए ऑनलाइन संग्रह है। जिसका प्रमुख उद्देश्य संस्थान की बौद्धिक सामग्री का संरक्षण और दीर्घकालिक पहुँच को सुनिश्चित करना है। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर के संस्थागत संसाधन को विकसित करने की परियोजना वर्ष 2019 में शुरू की गई थी। इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी को पर्याप्त हार्डवेयर और मानव संसाधनों द्वारा समर्थित डीस्पेस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके विकसित किया गया है। संस्थान की विद्वतापूर्ण सामग्री की व्यापक पहुँच और दृश्यता को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान परियोजनाओं, प्रतिवेदन, प्रशिक्षण और उन्मुखीकरण कार्यक्रम, विद्यार्थी शोध प्रबंध, संकाय अनुसंधान उपलब्धियों सहित अन्य दस्तावेजों का प्रसार किया जा रहा है। पुस्तकालय ने क्यूआर कोड के माध्यम से ओपेक संस्थान के संसाधन, वर्तमान सामग्री, सदस्यता प्राप्त पत्रिकाओं और समाचार–पत्रों, पुस्तक माँग, उपयोगकर्ता निर्देश और संस्थान की वेबसाइट तक पहुँच प्रदान करके अपनी सेवाओं को विस्तार किया है। वर्तमान सत्र में 260 दस्तावेजों के मेटाडेटा का अद्यतन किया गया है। 60 प्रकाशन अपलोड किए गए और ओसीआर के लिए 8000 पेज स्केन किये गये। डॉ. बी.के. झा, उप पुस्तकालयाध्यक्ष परियोजना के समन्वयक हैं।

ई–संसाधनों का विस्तार

संस्थान ने, सत्र 2023–24 में सभी विषयों में विभिन्न स्तरों के लिए प्रधानमंत्री ई–विद्या डिजिटल शिक्षा कार्यक्रम के तहत 38 ई–सामग्री (ऑडियो/वीडियो) विकसित की हैं। इन कार्यक्रमों का निर्माण शिक्षकों एवं शिक्षक के शैक्षणिक और सामग्री संवर्धन को ध्यान में रखकर किया जाता है। डॉ. रामबाबू पारीक, आचार्य, रसायन शास्त्र इस कार्यक्रम के संयोजक हैं।

पर्यावरण थीम पार्क

प्रकृति मेला में आयोजित प्रदर्शनी

संस्थान ने जैव विविधता एवं पर्यावरण आधारित विद्यालयी शिक्षा कार्यक्रमों को मजबूत करने के लिए एक पर्यावरण थीम पार्क विकसित और प्रक्षेपित किया है। इसके लिए संस्थान का पर्यावरण थीम पार्क विभिन्न पारिस्थितिक तंत्रों, औषधीय पौधों की संरक्षिका, ऊर्जा के गैर–पारंपरिक स्रोत के लिए एक केंद्र, एक ग्रीन हाउस, पानी और मिट्टी के संरक्षण और जैविक खेती का रखरखाव है। विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों से संबंधित गतिविधियों के विकास हेतु 12 से 14 फरवरी, 2024 को तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 15 से 16 फरवरी तक इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रकृति मेला का आयोजन किया गया। इसमें एक प्रदर्शनी आयोजित की गयी जिसमें पर्यावरण शिक्षा के विभिन्न विषयों, पर्यावरण जागरुकता के मूल्य और मुद्दों पर प्रकाश डाला गया। श्री वासुदेव देवनानी, माननीय अध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा प्रकृति मेले के मुख्य अतिथि थे। संस्थान का थीम पार्क जैव विविधता को दर्शाता है। इसका उपयोग संस्थान व प्रायोगिक विद्यालय के विद्यार्थियों के व्यावहारिक शिक्षण हेतु किया जाता है। उत्तरी क्षेत्रों के कई संस्थान वनस्पति और जीवों की विविधता जानने के लिए थीम पार्क का दौरा करते हैं। इस परियोजना के समन्वयक डॉ. वेद प्रकाश आर्य, सहायक आचार्य हैं।

माननीय अध्यक्ष, श्री वासुदेव देवनानी, राजस्थान विधानसभा द्वारा प्रकृति मेला की स्मारिका का विमोचन

मुस्कुराता बचपनः प्रारंभिक बाल्यावस्था (देखभाल और शिक्षा)

प्रारंभिक बाल्यावस्था किसी व्यक्ति के जीवन में सबसे प्रभावी और सबसे महत्वपूर्ण विकास की अवधि होती है और इसे आम तौर पर उस नींव के रूप में माना जाता है जिस पर उसके शेष जीवन का निर्माण होता है। अनुसंधान आधारित कार्यान्वयन रणनीति के एक भाग के रूप में, संस्थान ने 3 से 5 वर्ष की आयु वर्ग के छात्रों को शिक्षा की मुख्यधारा में शामिल होने से पहले सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा बनने के उद्देश्य से एक प्रारंभिक बचपन कार्यक्रम शीर्षक ''मुस्कुराता बचपन'' द्वारा प्रमुख भूमिका निभाई। इसका उद्देश्य प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा के लिए आदर्श विकसित करना है। परियोजना के लिए, आईसीटी ने समायोज्य बैठने, पुस्तकालय, गतिविधि कक्ष, पहेली आदि के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित आकर्षक कक्षाओं को समृद्ध किया। कठपुतली, संगीत कक्ष और खेल के मैदान का लाभ उठाया गया। छात्रों के व्यावहारिक और निरंतर विकास के लिए विभिन्न शैक्षिक विधियों जैसे खेल विधि, कहानी कहने की विधि के दौरान सीखने का उपयोग किया गया। पूर्व–विद्यालय के बच्चों के सीखने की प्रगति का आलोचनात्मक विश्लेषण किया गया और सहयोगी सुधार के लिए पहल को अपनाया गया। इस पहल को नियमित रूप से अभिभावकों के साथ साझा भी किया गया। डॉ. एसटी सिंह, प्रधानाध्यापक, प्रयोगिक बहुद्देश्यीय विद्यालय, अजमेर, इस परियोजना के समन्वयक है।

प्रायोगिक बहुउद्देशीय विद्यालय में कला समेकित अनुभवनात्मक शिक्षा का कार्यान्वयन

कला समेकित गतिविधियों का प्रदर्शन करते छात्र

शिक्षा में कला को शैक्षणिक उपकरण के रूप में समेकित करने और कला समेकित शिक्षण दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संस्थान के प्रायोगिक बहुद्देश्यीय विद्यालय, अजमेर में कला समेकित अनुभवात्मक शिक्षा का कार्यान्वयन किया। जिसके अन्तर्गत विद्यालय के शिक्षकों को 31 जुलाई से 4 अगस्त, 2023 के दौरान कला समेकित अधिगम पर क्षमता संवर्द्धन किया गया। कार्यक्रम के तहत लगभग 3000 वर्ग फुट के क्षेत्र में विद्यालय की दीवारों पर चित्रकारी की गई। इस कार्यक्रम में कला को विषयों के साथ जोड़ने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के विद्यार्थियों ने बेयरफुट कॉलेज, तिलोनिया गाँव अजमेर का भी दौरा किया। विद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा समेकित प्रदर्शनी के माध्यम से विभिन्न कला के रूपों से परिचित कराते हुए कला समेकित शिक्षा पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों को सकारात्मक आदतों का चित्रण, ऊंचाई मापने के पैमाने और पंचतंत्र की कहानियों (जैसे कि क्रेन और केकड़े की कहानी) सहित विभिन्न कलाकृतियाँ बनाना सिखाया गया। अंग्रेजी और हिंदी वर्णमाला के प्रतिनिधित्व के साथ–साथ स्किपिंग, नाव बनाना, रिसाइकिल की गई सामग्रियों से खेलना और रेत के महल बनाना जैसी बाहरी गतिविधियाँ भी शामिल थीं। छात्रों ने कला–समेकित प्रोजेक्ट और मॉडलों को विकसित करने में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसमें कला को विभिन्न विषयों के साथ समेकित किया गया। 12 दिसंबर, 2023 को पूर्व प्राथमिक विद्यालय में आयोजित एक प्रदर्शनी में दीवार कलाकृति प्रदर्शित की गई, जिसमें कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों ने भाग लिया। प्रदर्शनी में शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न कला रूपों पर प्रकाश डाला गया, उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर जोर दिया गया। डॉ. प्रियंका चतुर्वेदी, सहायक हेड मास्टर ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

गणित प्रयोगशाला

विद्यार्थियों के बीच समस्या–समाधान तर्क, रचनात्मकता कौशल और रुचि विकसित करने के उद्देश्य से संस्थान ने गणित प्रयोगशाला विकसित की है। इस संबंध में, गणितीय गतिविधियों के लिए संक्षिप्त लेख तैयार किए गए हैं जिसमें कई विषयों को सम्मिलित किया गया है, जैसे कि गणितीय कार्यों का उपयोग करके दैनिक जीवन में आजीविका की समस्या को हल करना, पैटर्न के माध्यम से यूलर के संबंध को सत्यापित करना, दैनिक जीवन स्थितियों में समस्याओं को हल करना आदि शामिल हैं। प्रयोगशाला स्तर विशिष्ट सीखने के प्रतिफल के मॉडल प्रदर्शित करती है। डॉ. पी. के. चौरसिया, आचार्य, कार्यक्रम के समन्वयक हैं।

मदरसा (स्कूलों) में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन

संस्थान ने विशेष आवश्यकता समूह शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली के सहयोग से 6–10 नवंबर, 2023 को राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्य के वैकल्पिक स्कूलों (मदरसा) के प्रधानाचार्यों/प्रबंधकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्य से कुल 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, एनसीएफ–एफएस, बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता, कला कला समेंकित शिक्षा, खिलौना–आधारित शिक्षाशास्त्र और सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी समेकित जैसे विषयों पर सत्र आयोजित किये गये। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. मुजम्मिल हसन, सह आचार्य, शिक्षा विभाग थे।

NISHTHA समतामूलक एवं समावेशी शिक्षा का आयोजन

स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों के लिए समतामूलक और समावेशी शिक्षा हेतु समग्र उन्नति की राष्ट्रीय पहल के अन्तर्गत, संस्थान में 05–09 फरवरी, 2024 को पांच दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रमुख संसाधन व्यक्ति/मास्टर प्रशिक्षक तैयार करना है जो अपने राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों/संगठन/संगठनों के स्कूलों के शिक्षकों को आगे प्रशिक्षित करे। इस कार्यक्रम में पीएम श्री विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, एकलव्य मॉडल स्कूल के शिक्षकों के साथ राज्यों के डीआईईटी/एससीईआरटी संकाय सदस्य लाभार्थी थे। कार्यक्रम में कुल 65 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संस्थान की ओर से इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. राजीव रंजन, सहायक आचार्य, शिक्षा विभाग थे।

विद्यार्थी गतिविधियाँ

विद्यार्थियों की समुदाय के साथ सहभागिता

संस्थान ने विद्यार्थियों को एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से समुदाय के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें वे समुदाय के साथ एक संबंध स्थापित करने के लिए गतिविधियों का प्रदर्शन कर सकते हैं, सामुदायिक हितधारकों (माता–पिता, एसएमसी/एसडीएमसी, ग्रामीणों) के साथ शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ बातचीत कर सकते हैं और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक कर सकते हैं।

सत्र 2023–24 के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन 29 नवम्बर से 08 दिसम्बर 2022 तक किया गया। जिसके दौरान संस्थान के छात्रों ने अजमेर जिले के पुष्कर के निकटवर्ती गांवों: कडेल, दुगारीकला और रेवेट में विभिन्न सामुदायिक गतिविधियों में भाग लिया। इस कार्यक्रम में श्रम दान (स्वैच्छिक श्रम), वृक्षारोपण अभियान और, परिसर तथा गांवों में प्लास्टिक–मुक्त अभियान सहित कई गतिविधियां आयोजित की गयी। कार्यक्रम में थीम आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शामिल थे और केंद्र तथा राज्य सरकारों की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान छात्रों ने ग्रामीण क्षेत्रों में गांव की लोकतांत्रिक संरचनाओं और सरकारी संगठनों के कामकाज की समझ हासिल की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने रिपोर्ट तैयार करने के लिए समुदाय के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक पहलुओं पर सूचनाओं को एकत्रित किया। छात्रों ने आस–पास के गांवों, विशेष स्कूलों, वृद्धाश्रमों और ब्रह्मकुमारी केंद्र का दौरा किया और लोगों से बातचीत की ताकि समुदाय के साथ आपसी विश्वास, सम्मान और सहयोग की समझ विकसित की जा सके। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. मीनाक्षी मीना, अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, डॉ. ओम प्रकाश मीना, सह–आचार्य, डॉ. मुजम्मिल हसन, सह–आचार्य थे।

सामुदायिक कार्यक्रम के दौरान की गयी गतिविधियाँ

संस्थान का वार्षिकोत्सव समारोह

संस्थान ने अपना वार्षिकोत्सव 7 अप्रैल, 2023 को मनाया। समारोह में विभिन्न सदनों के विद्यार्थियों को खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, साहित्यिक कार्यक्रमों, विज्ञान परियोजनाओं आदि में उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रोत्साहित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक प्रो. हृषिकेश सेनापति थे। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी गईं। मुख्य अतिथि ने संस्थान के प्राचार्य प्रो. एस.वी. शर्मा के साथ मिलकर भाभा सदन को सर्वश्रेष्ठ सदन की ट्रॉफी प्रदान की। अपने संबोधन में प्रो. सेनापति ने छात्रों को अपनी शिक्षा और समग्र विकास को बढ़ाने के लिए सांस्कृतिक और शैक्षणिक दोनों गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया।

वार्षिकोत्सव समारोह के दौरान गतिविधियाँ

एंटी–रैगिंग जागरूकता सप्ताह

संस्थान ने 11–15 सितंबर, 2023 तक एंटी–रैगिंग जागरूकता सप्ताह मनाया। सप्ताह के अन्तर्गत रैगिंग के मुद्दे के बारे में जागरूकता बढ़ाने और परिसर में वैध आचरण बनाए रखने के महत्व को बढ़ावा देने के लिए नारा लेखन, पोस्टर बनाने और नुक्कड़ नाटक (स्ट्रीट प्ले) सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान गतिविधियाँ

अंतर–सदनीय गतिविधियों का आयोजन

संस्थान के विद्यार्थियों में सहभागिता को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाती है। इस हेतु समस्त विद्यार्थियों को सदनों में रखा जाता है। संस्थान ने विभिन्न सदनों के पदाधिकारियों के चुनाव का आयोजन किया, जहां विद्यार्थियों ने 1 दिसंबर, 2023 को लोकतांत्रिक तरीके से 2023–24 सत्र के लिए अपने प्रतिनिधियों का चुनाव किया। इस प्रक्रिया की देखरेख संस्थान के संकाय और कर्मचारियों के सदस्यों ने की। चुनाव के बाद प्राचार्य प्रो. एस.वी. शर्मा ने निर्वाचित प्रतिनिधियों को शपथ दिलाई। 19 और 20 दिसंबर, 2023 को अंतर–सदनीय गतिविधियों और एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी सदनों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सांस्कृतिक गतिविधियों में फैंसी ड्रेस, मोनोएक्टिंग, समूह गान, वाद्य संगीत, एकल गान, एकल नृत्य, मेहंदी, रंगोली, फूलों की सजावट, सलाद बनाना, ड्राइंग और पेंटिंग, स्किट और समूह नृत्य शामिल थे, जिन्हें सदनों द्वारा वर्गीकृत किया गया था। साहित्यिक गतिविधियों में विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे वाद–विवाद (अंग्रेजी और हिंदी), रंगोली, नारा लेखन और नृत्य प्रतियोगिताएं आदि आयोजित की गईं।

अंतर–सदनीय प्रतियोगिताओं के दौरान गतिविधियाँ

अंतर–सदनीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन

संस्थान ने 21–27 दिसंबर, 2024 तक आयोजित अपने खेल एवं क्रीड़ा अंतर–सदनीय कार्निवल और 59वीं वार्षिक एथलेटिक मीट का समापन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न सदनों के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में भाग लिया। अंतर–सदनीय आधार पर आयोजित इस कार्निवल ने विद्यार्थियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सौहार्द को बढ़ावा दिया। प्रत्येक सदन की टीम ने अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न स्पर्धाओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. दीबेंदु बेज, सहायक आचार्य, शारीरिक शिक्षा हैं।

अन्य गतिविधियाँ

- डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह (14 अप्रैल, 2023)
- अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस समारोह (22 अप्रैल, 2023)
- विश्व पर्यावरण दिवस समारोह (05 जून, 2023)
- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह (21 जून, 2023)
- सीआरपीएफ जीसीए–1 के सहयोग से पौधारोपण अभियान (16 अगस्त, 2023)
- राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह (29 अगस्त, 2023)
- शिक्षक दिवस समारोह (05 सितंबर, 2023)
- अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह (8 सितंबर, 2023)
- हिंदी दिवस समारोह (14 सितंबर, 2023)
- संस्थान के 62वें स्थापना दिवस का उत्सव (30 अक्टूबर, 2024)
- गांधी जयंती समारोह (02 अक्टूबर, 2023)
- आईटीईपी के तहत बीएबीएड और बीएससी बीएड पाठ्यक्रमों के छात्रों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन (11 अक्टूबर, 2023)
- राष्ट्रीय एकता दिवस का उत्सव (31 अक्टूबर, 2023)
- संविधान दिवस समारोह (26 नवंबर, 2023)
- राष्ट्रीय गणित दिवस समारोह (22 दिसंबर, 2023)
- वीर बाल दिवस समारोह (26 दिसंबर, 2023)
- राष्ट्रीय युवा दिवस (13 जनवरी, 2024)
- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह (28 फरवरी, 2024)

संकाय उपलब्धियाँ

प्रकाशित पेपर/लेख

- **आर्य ए.के.** (2024) Exploring 21st Century Digital Literacy Skills among the Prospective Teachers for Holistic Learning, *Indian Journal of Educational Technology* Volume 6 (2), pp 282-291
- **आर्य, वी.पी.** (2023). Impact of Annealing and Hydrogenation on the Optical Characteristics of ZnSe/Mn and ZnSe/Co DMS Thin Films Prepared via Thermal Evaporation Method. *Evergreen Joint Journal of Novel Carbon Resource Sciences, & Green Asia Strategy*, 11 (1), pp. 178-185.
- **बेहरा, ए.** (2024). Use of Information Communication Technology in Agricultural Marketing: A study from Odisha. *Education and Society*, 48(2), pp.54-60.
- **बेहरा, ए.** (2024). Impact of the MGNREGA on rural labour market performace: A case study of Andhra Pradesh. *Madhya Bharti - Humanities and Social Sciences*, 85(13), pp.132-138.
- **बेहरा, ए.** (2024). Examining the Perception of Women's Role in India's Blue Economy: A Systematic Literature Review. ADBI Working Paper 1426. Tokyo: Asian Development Bank Institute.
- **दास, एस.के.** (2023). Stubble burning impact on environment, health and agriculture: A review on management practices. *Plant Archives*, 23(2), pp: 194-199.
- **गुप्ता, ए.के.** (2023). Study of deforestation on ecosystem in course of study related to the biological science at varies levels. *International Research Journal of Innovations in Engineering and Technology (IRJIER)*, 7 (5), pp.300-303.
- **गुप्ता, ए.के.** (2023). Air pollution and human respiratory system in the course of study are related to the biological science at various levels. *International Research Journal of Innovations in Engineering and Technology (IRJIET)*, 7 (7), pp.55-58.
- **गुप्ता, ए.के.** (2023). Water pollution and human digestive system in course of study related to the biological science at various levels. *International Research Journal of Innovations in Engineering and Technology (IRJIET)*, 7 (8), pp.26-29.
- **गुप्ता, ए.के.** (2023). Interdependency between plant and animal is one of the processes of bioremediation. *International Current Journal of Engineering and Science (ICJES)*, 2 (5), pp. 1-4.
- **गुप्ता, ए.के.** (2023). Marine pollution and respiratory system of Elasmobranche fishes in course of study under Integrated Teacher Education Programme (ITEP), *International Research Journal of Innovations in Engineering and Technology (IRJIET)*, 7 (11), pp.725-728.
- **गुप्ता, ए.के.** (2023). Marine pollution and respiratory system of Teleost Fishes in course of study under Integrated Teacher Education Programme (ITEP). *International Research journal of Innovations in Engineering and Technology (IRJIET)*, 8 (1), pp. 15-18.
- **कात्यायनी, ए.** (2023). Covid -19 mahamari ke dauran B. Ed. vidhyarthiyon ki online siksha evam shaikshnik tanaav ka addhyaan. *Shaikshik Parisambaad: An International Journal of Education*, 12 (1&2), pp.39-45.
- **कौशल, एस.** (2024). Rationally tailored synergy between adsorption efficiency of cotton shell activated carbon and PMS activation via biogenic Fe0 or Cu0 for effective mitigation of triphenylmethane dyes, Sep. Purif. Technol., 342, pp. 127010.
- **कौशल, एस.** (2024). A comprehensive review on biogenic synthesis of bimetallic nanoparticles and their application as catalytic reduction of 4-nitrophenol, Chem. Pap., 78, pp. 2757-2782.
- **कौशल, एस.** (2024) Pd supported Al-BDC MOF for efficient and selective N-methylation of amines under solventless conditions, Emergent Mater.,7, pp. 1683-1693.
- **कौशल, एस.** (2024) Non-catalytic regioselective synthesis of trans bis-pyrrolo isoxazole cycloadducts in water, RSC Sustain, 2, pp. 546-557.
- **कौशल, एस.** (2024) Efficient photocatalytic degradation of tetracycline antibiotic and melachite green dye using La-BDC MOFs, 7, pp. 1019-1030.
- **कौशल, एस.** (2024). Rationally tailored synergy between adsorption efficiency of cotton shell activated carbon and PMS activation via biogenic Fe0 or Cu0 for effective mitigation of triphenylmethane dyes, Sep. Purif. Technol., 342, pp. 127010.
- **रामनिवास** (2024) गोरखनाथ की वाणी में जीवन आदर्श आलेख 'शिविरा' मासिक अंक जनवरी 2024 पत्रिका का प्रकाशक निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर
- **राणा प्रताप** (2023) Dynamic of Proton Transport in Polythen Oxide (PEO) with Ammonium Perchlorate (NH_4ClO_4) Macromolecular Symposia Vol. 407 2100450 (1 to 7)
- **राणा प्रताप** (2023) 2023 Polycrystalline Solid-Solid Composite [(NH4)2Cl2O4.1H2O:Al2O3]: Electrical and Structural Detail Macromolecular Symposia Vol. 407 2200120 (1 to 7)
- **राणा प्रताप** (2023) Gender Equality in School Curriculum: Implications for Teaching and classroom interaction At Senior Secondary Level for Science student : Poonam Shodh Rachna Vol. 2 Issue XII
- **सुधा, एस.** (2023) प्रगतिशील परंपरा की पड़ताल शीर्षक लेख 'बनास जन' पत्रिका में प्रकाशित अंक- जुलाई-2023, ISSN No.- 2231-6558, संपादक- पल्लव.
- **सुधा, एस.** (2023) हिंदी साहित्य के भाषिक विकास में रीतिकालीन साहित्य का योगदान शीर्षक अध्याय 'हिंदी साहित्य का इतिहास कुछ पाठ, कुछ विमर्श-भाग-2' पुस्तक में प्रकाशित, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा, प्रकाशन वर्ष- 2023, ISBN No.- 978-93-92635-10-6, संपादक- देवेन्द्र चौबे.
- **अशरफ वाई** (2024), आलोचनात्मक शिक्षक शिक्षणण्च, संस्कृतवार्तापत्रम् विश्वस्य वृतान्तः

प्रकाशित पुस्तकें/पुस्तक अध्याय

- **आर्य, ए.के.** (2024) जिज्ञासा, कक्षा VI के लिए एनसीईआरटी विज्ञान पाठ्यपुस्तक, एनसीईआरटी, नई दिल्ली
- आचार्य, पी. (2023). Odisha in Pre-modern Times. In Devy, G.N., Joseph, Tony., & Korrisettar, Ravi (EDS.), The Indians: Histories of a civilization (pp. 365-371), Delhi: Aleph Book Company.
- **दास, एस. के.** (2023). Introduction to ecosystem: Environment and ecology. Bridging boundaries exploring interdisciplinary research, Notion Press India, pp: 215-229, ISBN: 13: 979-889133167-9.
- **कात्यायनी, ए.** (Ed.) (2024). Cultural Diversity, Pluralism and Education in India: Continuity, Challenges and the Road Ahead, Kanishka Publishers, New Delhi. ISBN No.9788197468216
- **कौशल, एस.** (2024) Characterization Tools for Biogenic Nanomaterials, Biogenic materials for health and environment (pp. 18-28) CRC Handbook, Taylor and Francis, Boca Raton, Florida, United States. (ISBN: 9781032553160).
- **कौशल, एस.** (2024) Metal-organic framework as an efficient photocatalyst, Metal organic frameworks fundamental to advance, Elsevier (pp.325-346) Amsterdam, The Netherlands. (ISBN 978-0-443-15259-7).
- **श्रीदेवी के.वी.ए** जिज्ञासा, कक्षा VI के लिए एनसीईआरटी विज्ञान पाठ्यपुस्तक, एनसीईआरटी, नई दिल्ली
- **राजेश मिश्रा** (2024) ख्याल, एन.सी.ई.आर.टी. कक्षा 6 की पाठ्यपुस्तक, एनसीईआरटी नई दिल्ली
- **थिरुमूर्ति, जी.** (2024). Child-centered preventive and protective measures of environmental disaster: Is need of the hour. Prakasam, et al. (Eds.), Child protection & child rights in disasters and emergencies (pp. 65-79), Salem: Royal Book Publishing.
- **अशरफ वाई.** (2024), सारंगी–2, एनसीईआरटी, कक्षा–2 के लिए हिंदी पाठ्य पुस्तक, एनसीईआरटी, नई दिल्ली

पेपर प्रस्तुतियाँ

- **बेज, डी.के.** (2024) ने 20 मार्च, 2024 को जीसस एंड मैरी कॉलेज, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में आयोजित स्कूलों, बच्चों और बचपन पर शोध पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'प्राथमिक शिक्षा में शिक्षण के रूप में स्वदेशी खेलों का उपयोगः बच्चों के समग्र विकास और सांस्कृतिक संरक्षण का मार्ग' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।
- **चौरसिया, पी.के.** (2023), ने प्रकृति के साथ सतत और सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए पर्यावरण शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सिद्धांत से कार्रवाई तकः एकीकृत विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण शिक्षा के माध्यम से स्थिरता को सशक्त बनाना' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर द्वारा 4–6 अक्टूबर, 2024 को किया गया।
- **शर्मा, आर.के.** (2023) ने 4–7 अक्टूबर, 2024 को क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर में आयोजित पर्यावरण शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (एनएसईई–2023) में आधुनिक पर्यावरण संरक्षण प्रक्रियाओं में भारतीय ज्ञान और पारंपरिक प्रथाओं की भूमिका शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।
- **अशरफ वाई.** (2024) ने 20 मार्च, 2024 को जीसस एंड मैरी कॉलेज, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में आयोजित स्कूलों, बच्चों और बचपन पर शोध पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'लर्निंग डोमेन में प्रारंभिक बचपन शिक्षा में प्रौद्योगिकी एकीकरण के प्रभाव की खोजः समीक्षा' शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।

सेमिनार/सम्मेलन आदि में अध्यक्षता

- **शर्मा, एस.वी.** (2023). प्रकृति के साथ सतत सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए पर्यावरण शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन में उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की, आर.आई.ई., अजमेर, 4–6 अक्टूबर।
- **शर्मा, एस.वी**. (2024). 9–11 जनवरी को क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर में समतामूलक और समावेशी शिक्षा (एनएसईआईई) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।
- **बरठाकुर, बी.** (2023). प्रकृति के साथ सतत और सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए पर्यावरण शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 2023 अजमेर में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की। 4–6 अक्टूबर।
- **बरठाकुर, बी**. (2024). 9–11 जनवरी को अजमेर में आयोजित समतामूलक और समावेशी शिक्षा (एनएसईआईई) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।
- **आचार्य, पी.सी.** (2023)। प्रकृति के साथ सतत और सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए पर्यावरण शिक्षा (2023) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की क्षे.शि.सं., अजमेर, 4 – 6 अक्टूबर।
- **आचार्य, पी.सी.** (2024)। 9–11 जनवरी को क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर में समतामूलक और समावेशी शिक्षा (एनएसईआईई) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- **पारीक, आर.बी.** (2023)। प्रकृति के साथ सतत एवं सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए पर्यावरण शिक्षा (एन.एस.ई.ई.–2023) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की, आर.आई.ई., अजमेर, 4–6 अक्टूबर।
- **पारीक, आर.बी.** (2024)। प्रकृति के साथ सतत एवं सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए पर्यावरण शिक्षा (एन.एस.ई.ई.–2023) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की, आर.आई.ई., अजमेर। 4–6 अक्टूबर।
- **आर्य, ए.के.** (2023) ने 04–06 अक्टूबर 2023 को क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर में प्रकृति के साथ सतत सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए पर्यावरण शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- **आर्य, ए.के.** (2024)। 9–11 जनवरी को अजमेर में आयोजित समतामूलक एवं समावेशी शिक्षा (एनएसईआईई) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- **मीना, एम.** (2023) ने प्रकृति के साथ सतत और सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए पर्यावरण शिक्षा (एनएसईई– 2023) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर, 4–6 अक्टूबर।
- **मीना, एम.** (2024). 9–11 जनवरी को अजमेर में आयोजित समतामूलक और समावेशी शिक्षा (एनएसईआईई) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी और समापन सत्रों की अध्यक्षता की।
- **चौरसिया, पी.के.** (2023) ने प्रकृति के साथ सतत और सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए पर्यावरण शिक्षा (एनएसईई– 2023) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता की, आर.आई.ई., अजमेर, 4–6 अक्टूबर।
- **नैनावत, ए.के.** (2023)। प्रकृति के साथ सतत और सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए पर्यावरण शिक्षा (NSEE– 2023) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की 4 –6 अक्टूबर।
- **नैनावत, ए.के**. (2024)। 9–11 जनवरी को अजमेर में आयोजित समतामूलक एवं समावेशी शिक्षा (एनएसईआईई) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- **शर्मा, आर.के.,** (2023)। प्रकृति के साथ सतत और सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए पर्यावरण शिक्षा (एनएसईई– 2023) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता, आर.आई.ई., अजमेर, 4–6 अक्टूबर।
- **शर्मा, आर.के.,** (2024)। 9–11 जनवरी को अजमेर में आयोजित राष्ट्रीय समतामूलक एवं समावेशी शिक्षा सम्मेलन (एनएसईआईई) में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

प्रायोगिक बहुउद्देशीय विद्यालय

विद्यालय की प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

प्रतिष्ठित व्यक्तियों के व्यक्तित्व पर अभिव्यक्ति श्रृंखला

विद्यालय नें प्रतिष्ठित व्यक्तियों पर अभिव्यक्ति श्रृंखला के अंतर्गत विभिन्न अवसरों पर 07 व्याख्यान आयोजित किये। प्रत्येक अभिव्यक्ति श्रखला के दौरान निबंध, पोस्टर मेकिंग, रोल प्ले, क्विज, रैली और फिट इंडिया फ्रीडम रन 3.0 आदि प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम के समन्वयक श्री सरताज सिंह, पीजीटी, प्रायोगिक बहुउद्देशीय विद्यालय, अजमेर हैं।

अवसर	वक्ताओं
डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन (शिक्षक दिवसय 5 सितंबर, 2023)	श्री महावीर प्रसाद शर्मा (सेवानिवृत्त व्याख्याता गणित)
महात्मा गांधी जयंती (अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवसय 02 अक्टूबर, 2023)	प्रो. एसवी शर्मा, प्राचार्य आरआईई अजमेर
डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयंती (अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस (15–अक्टूबर–23)	डॉ. सुधीर तोमर राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता, व्याख्याता सोफिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल, अजमेर
सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती (राष्ट्रीय एकता दिवस (31 अक्टूबर, 2023)	डॉ. अनंत भटनागर, प्रख्यात साहित्यकार
मौलाना अबुल कलाम आजाद जयंती (राष्ट्रीय शिक्षा दिवसय 11 नवंबर, 2023)	श्री एम.एस. सोलंकी प्रो. राजेश मिश्रा
संविधान दिवस (26 नवंबर, 2023)	डॉ. अतुल दुबे, एनसीईआरटी नई दिल्ली
श्रीनिवास रामानुजन अयंगर (राष्ट्रीय गणित दिवस 22 दिसंबर, 2023)	डॉ. राजेंद्र पाल शर्मा राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, अजमेर
वीर बाल दिवस (26 दिसंबर, 2023)	श्री दिलीप सिंह छाबड़ा
स्वामी विवेकानंद जयंती (राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी, 2024)	डॉ. मोक्ष राज (अमेरिका में पूर्व सांस्कृतिक राजदूत)
नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती (पराक्रम दिवस 23 जनवरी, 24)	डॉ. राजेश आर्य, राजकीय कॉलेज जामवा रामगढ, जयपुर
डॉ. सी.वी. रमन (राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी, 2024)	डॉ. सुधीर मिश्रा, पूर्व उप निदेशक, डीआरडीओ
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (08 मार्च, 2024)	सुश्री शीतल जोशी, राजस्थान प्रमुख, ब्रह्मकुमारी मिशन

प्रायोगिक बहुउद्देशीय विद्यालय की NCC नौसेना इकाई की गतिविधियाँ

मोक्ष राज

प्रायोगिक बहुउद्देशीव विद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर की नौसेना इकाई संचालित है, इसमें 50 कैडेट हैं। वर्ष 2023–24 में 22 कैडेट्स ने सफलतापूर्वक 'ए' सर्टिफिकेट परीक्षा उत्तीर्ण की तथा सीएटीसी कैंप में भाग लिया। कायड़ विश्रामस्थली, अजमेर में आयोजित सीएटीसी कैंप में कैडेटों ने विभिन्न स्पर्धाओं में अनेक पुरस्कार जीते। कैडेट मुजम्मिल ने उदयपुर में प्री–आरडीसी कैंप तथा जयपुर में आईजीसी कैंप में भाग लेकर विद्यालय का नाम रोशन किया। इसी प्रकार कैडेट मोहित राज जोशी ने भी उदयपुर में प्री–आरडीसी कैंप में भाग लिया, जबकि कैडेट खुशी सैनी तथा कैडेट मुजम्मिल ने नाथद्वारा में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कैंप में भाग लिया। राज. नौसेना एनसीसी इकाई द्वारा आयोजित 'एकता दौड़' में कैडेट्स ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जिसमें कैडेट नंद किशोर बैरवा ने प्रथम स्थान तथा कैडेट हेशुल कुमावत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। डीएमएस के कैडेटों ने नौसेना दिवस समारोह, एनसीसी स्थापना दिवस समारोह और राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भी हिस्सा लिया। साथ ही उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में भी भाग लिया। इसके अलावा, 25 छात्रों ने एनसीसी 'ए' लेवल सर्टिफिकेट परीक्षा दी और सभी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हुए।

गतिविधियाँ

- **राष्ट्रीय नेताओं को श्रद्धांजलि देने के लिए संसद में आयोजित कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी**: डीएमएस अजमेर के छात्र "किंशुक शर्मा" ने 2 अक्टूबर 2023 को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर संसद के सेंट्रल हॉल में हमारे राष्ट्रीय नेताओं को श्रद्धांजलि देने के लिए पुष्पांजलि समारोह के कार्यक्रम में भाग लिया है।

- **विद्या प्रवेश :** स्कूल ने कक्षा 1 के छात्रों के लिए तीन महीने का खेल–आधारित स्कूल तैयारी कार्यक्रम विद्या प्रवेश शुरू किया और उसका आयोजन किया। इसका उद्देश्य विभिन्न पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चों में स्कूल की तैयारी को बढ़ावा देना, घर के माहौल से स्कूल की सेटिंग में सहज संक्रमण सुनिश्चित करना और एक आनंदमय और विकासात्मक रूप से सहायक वातावरण में उम्र के अनुसार उपयुक्त, खेल–आधारित सीखने के अनुभव प्रदान करना था।

- **राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी:** विद्यालय के विद्यार्थियों ने एनसीईआरटी और एससीईआरटी महाराष्ट्र द्वारा शिव छत्रपति खेल परिसर में 26 से 30 दिसंबर, 2023 तक आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लिया। कक्षा 11–ए के कार्तिक गुप्ता और दिव्यांश शर्मा ने 'भारी यातायात में एम्बुलेंस को फंसने से रोकना' विषय पर एक प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। कक्षा 11–ए की ही माही पाराशर और अनुराधा रांकावत ने 'वॉकिंग ब्रिज' पर एक प्रोजेक्ट प्रदर्शित किया। इसके अतिरिक्त, कक्षा 12–ए के पुष्कर नारायण और पुष्पेंद्र सिंह ने '127 का जादू' शीर्षक से एक प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया।

- **राष्ट्रीय योग ओलंपियाड:** विद्यालय के छात्रों ने 18–20 जून, 2023 को क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय योग ओलंपियाड में भाग लिया, जहाँ उन्होंने सीनियर लड़कों के समूह की स्पर्धाओं में दूसरा स्थान प्राप्त किया। उन्होंने 8–12 सितंबर, 2023 को मयूर स्कूल, अजमेर में आयोजित जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता में भी भाग लिया और 19–23 सितंबर, 2023 को उदयपुर, राजस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता में भाग लिया।

- **चंद्रयान 3 के प्रक्षेपण का जश्न मनाने के लिए नई दिल्ली की यात्रा:** डीएमएस, अजमेर के छात्रों को 17 अक्टूबर, 2023 को इसरो के अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ द्वारा आयोजित एक प्रेरक व्याख्यान में भाग लेने के लिए चुना गया था। इस कार्यक्रम ने उन्हें अंतरिक्ष अनुसंधान की जटिलताओं और चुनौतियों के बारे में सीधे सुनने का एक अविश्वसनीय अवसर दिया, जैसा कि डॉ. सोमनाथ ने चंद्रयान मिशन पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए स्पष्ट रूप से समझाया था।

उपलब्धियाँ

- कक्षा 9वीं – ए के किंशुक शर्मा ने 2 अक्टूबर 2023 को संसद, नई दिल्ली में लाल बहादुर शास्त्री के जीवन इतिहास के बारे में बताया।
- कक्षा आठ की छात्रा गौरांशी शर्मा का डाक विभाग (जयपुर मंडल) द्वारा 'दीनदयाल स्पर्श छात्रवृत्ति' के लिए चयन किया गया।
- भारत विकास परिषद द्वारा 26 अगस्त, 2023 को माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, अजमेर में आयोजित भारत को जानो प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें जूनियर वर्ग में नीलवर्धन सिंह (आठवीं–बी) और तुषार बनवीर (आठवीं–बी) ने क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा सीनियर वर्ग में अखिलेश (10वीं–ए) और निरल मिश्रा (10वीं–ए) ने क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

- कक्षा 11 सी के प्रियांशु कुमावत ने अंडर–17 वर्ग में जिला कराटे चैंपियनशिप में भाग लिया और स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने राज्य स्तरीय टूर्नामेंट में अजमेर जिले का प्रतिनिधित्व भी किया।
- कक्षा 11सी के निसार अहमद ने जिला मुक्केबाजी प्रतियोगिता में अंडर–17 वर्ग और 80 किलोग्राम भार वर्ग में भाग लिया और कांस्य पदक जीता।
- कक्षा 11सी के नक्षत्र भोपरिया ने जिला भारोत्तोलन प्रतियोगिता में अंडर–17 वर्ग और 49 किलोग्राम भार वर्ग में भाग लिया और रजत पदक जीता।
- चंदन सिंह बारहवीं – बी ने अंडर–19 वर्ग और लाइट वेट वर्ग में जिला मुक्केबाजी प्रतियोगिता में भाग लिया और इसमें स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने राज्य टूर्नामेंट में अजमेर जिले का प्रतिनिधित्व भी किया।
- निम्नलिखित छात्रों ने योग की राज्य प्रतियोगिता में भाग लिया और समूह स्पर्धा में निम्नलिखित स्थान प्राप्त किए–

1. प्रियांश बैरवा – प्रथम स्थान
2. गिरीश तनवानी – प्रथम स्थान
3. प्रहलाद जांगिड़ – प्रथम स्थान
4. नरेश – प्रथम स्थान
5. अरमान टाक – प्रथम स्थान

✓ **बोर्ड परीक्षा 2022–23 में विद्यालय के छात्रों का प्रदर्शन**

कक्षा	उपस्थित छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण प्रतिशत
दसवीं	55/55	100
बारहवीं विज्ञान	29/29	100
बारहवीं कला	33/32	96.96
बारहवीं वाणिज्य	25/24	96

न्यूजलैटर /संस्थान पत्रिका समिति

डॉ. आनंद कुमार आर्य, सह आचार्य एवं अध्यक्ष, विस्तार शिक्षा विभाग (संयोजक)
डॉ. राम निवास, सह आचार्य हिन्दी, (सदस्य)
डॉ. अनिल कुमार नैनावत, सह आचार्य (सदस्य)
डॉ. गणेश दत्त, सहायक आचार्य (सदस्य)
डॉ. यासमीन अशरफ, सहायक आचार्य (सदस्य)
श्री गुमान सिंह, पीजीटी, हिंदी, डीएमएस (सदस्य)
डॉ. दीपक कुमार, पीजीटी, अंग्रेजी (सदस्य)
श्री हरिओम शर्मा, टीजीटी, संस्कृत (सदस्य)
श्री अभिषेक भारद्वाज, प्रभारी प्राथमिक अनुभाग (सदस्य)